(C-76) Pedagogy of Social Science

Q. Explain the different issues in assessment of social science.

समाजिक विज्ञान के आकलन के विभिन्न मुद्दों की व्याख्या करें।

Ans:→ समाजिक विज्ञान के आकलन में ध्यान योगात्मक (Sumative) से संरचनात्मक (Formative) आकलन की ओर विस्थापित हो जाता है। अधिगम के लिये आंकलन अधिगम पूर्ण होने की अपेक्षा, अधिगम की अवधि में ही होता है। विद्यार्थी निश्चित रूप से जानते हैं कि उन्हें क्या अधिगम करना है, उनसे क्या आशा है और वे अपने कार्य में सुधार कैसे करें, के संबंध में उन्हें प्रतिपुष्टि और सलाह दी जाती है।

विद्यार्थी क्या जानते हैं और कितना कर सकते हैं तथा उनमें क्या भ्रान्तियाँ और पूर्वधारणायें या कमियाँ हैं, के संबंध में जानने के लिये अधिगम के लिये आंकलन में अध्यापक आंकलन का एक खोजात्मक यंत्र के रूप में प्रयोग करते हैं।

विभिन्न प्रकार की विस्तृत सूचनायें जो अध्यापक अपने विद्यार्थियों की अधिगम प्रक्रियाओं के संबंध में एकत्र करते हैं, वह विद्यार्थियों का अधिगम कैसे आगे बढ़े को निर्धारित करने का आधार प्रदान करती हैं। यह विद्यार्थियों के लिए और समूहन (Grouping), निर्देशों की रणनीति और स्रोतों के निर्णय लेने विवरणात्मक प्रतिपुष्टि का आधार भी प्रदान करता है।

कक्षाओं में संरचनात्मक मूल्यांकन विद्यार्थियों की प्रगति और समय के अन्तः क्रियात्मक मूल्यांकन

को इंगित करता है ताकि अधिगम की आवश्यकताओं को पहचाना जा सके और शिक्षण का उपयुक्त रूप से समायोजन किया जा सके। अध्यापक, जो संरचनात्मक मूल्यांकन और तकनीक का प्रयोग करते हैं वे विद्यार्थियों की विविध आवश्यकताओं को पूरा करने के लिये उत्तम रूप से तैयार होते हैं। वे यह कार्य विभेदीकरण और अध्यापन के अनुकूलन (Adaptation) के माध्यम से विद्यार्थियों की उपलब्धि के स्तर को बढ़ाने के लिये तथा विद्यार्थियों के परिणामों में अधिक समानता प्राप्त करने के लिए करते हैं।

रचनावादी संस्कृति के मूल्यांकन के सर्वत्र सुधार और प्रभावकारी उन्नति के लिये क्षेत्रों को इंगित करने हेतु संरचनात्मक आंकलन के सिद्धान्तों को स्कूल और नीति स्तर पर लागू किया जाना चाहिये।

सामाजिक विज्ञान के आंकलन के मुद्दे हैं :-

(i) समाजिक विज्ञान के आंकलन में लक्ष्य की प्राप्ति :-
समाजिक विज्ञान विषय गुणात्मक एवं समग्र विकास के लिए अधिगम के अधिगम के उपलब्धि को विकसित करना ही एक लक्ष्य है।

(ii) शिक्षा के प्रति छात्रों की अधिगम कौशल को विकसित करना :-
समाजिक विज्ञान के मूल्यांकन में अधिगम एक कसौटी एवं लक्ष्य के आधार पर विकसित करने का काम मूल्यांकन के द्वारा करती है।

(iii) अधिगम के आँकलन का क्षेत्र व प्रक्रिया प्रत्यक्ष रूप से ज्ञान अर्जन पर एक प्रतिपुष्टि है। जो प्रतिपुष्टि कहीं -न- कहीं ज्ञानात्मक विकास को एक योजना के द्वारा आँकलन करने का प्रयास करता है।

(iv) आंकलन एक ऐसा अभिलेख है जो अधिगम पद्धति को प्राप्ति के आधार पर आँकलित करती है। इसकी वैधता व विश्वसनीयता एक कसौटी पर निर्दिष्ट रहती है।

(v) आंकलन के दोनों रूप उपलब्धि के सभी परिपेक्ष्य से पहचान कराती है। आंकलन प्राथमिक चरणों से लेकर उच्चस्तर तक एक प्रतिपुष्टि के रूप में कार्य करती है। यह प्रतिफल के रूपों में एक औपचारिक परीक्षण भी है।

(vi) यह अध्ययनकर्ता के गुणवत्ता से भी परीक्षित कराती है।

(vii) यह सीखने के प्रति रुचि व अभिवृत्ति तथा स्वयं सीखने की क्षमता को आकलित करती है।

(viii) हमेशा आकलन के पैमाने एक मुद्दों के रूप में विवादित होता रहा है। आकलन एक चुनौती भी है तथा आत्मविश्वास को बढ़ाने का भी कार्य करती है।

(ix) आकलन स्पर्धा प्रोत्साहन व प्रेरणा का एक मार्ग है।

उपर्युक्त विवेचना से यह स्पष्ट है कि आकलन एक मुद्दा होते हुए भी एक उपलब्धि का भी मानक को निर्धारित करती है। यह मानक वैधता व विश्वसनीयता पर निर्भर करता है तथा सीखने-सीखाने के लिए भी प्रेरित करता है।